

गुढा के मामले में कांग्रेस क्या फाउल खेल गई है?

महिला उत्पीड़न के मुद्दे पर गुढा की बर्खास्तगी कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष का हथियार बनेगी?

जयपुर, (का.प्र.)। मंत्री पद से बर्खास्त किए गए राजेंद्र सिंह गुढा को लेकर क्या कांग्रेस सरकार कोई फाउल खेल गई? ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि जिस तरह से लाल डायरी दिखाए जाने के बाद सरकार और सरकार के बचाव में आने वाले मंत्री-विधायकों में डायरी का खौफ नजर आया और इसी खौफ के चलते आनन-फानन में गुढा को माईर्स सदन से बर्खास्त किया गया, बल्कि मार्शलों के जरिए बाहर भी निकलवा दिया गया।

ऐसा होने पर गुढा को अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बढ़ाने का मौका भी मिल गया है। वहीं दूसरी ओर भी सरकार कहे कि लाल डायरी जैसी कोई बात नहीं है, लेकिन भाजपा जिस तरह से इस बात को अब मुद्दा बना रही है, वह निश्चित तौर पर सरकार को बाते पर संदेह पैदा करेगा और चुनाव के पैन पहले इस तरह का संदेह नुकसानदायक हो सकता है। इतना ही नहीं गुढा को मंत्री पद से जिस मुद्दे पर बर्खास्त किया गया है, वह मुद्दा महिला उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है और

- गुढा को बर्खास्तगी के बाद अपनी बात लोगों के बीच रखने का ज्यादा बेहतर मौका तो मिला ही है, साथ ही अब लोगों में सहानुभूति बढ़ाने का मौका भी मिल गया है
- महिला उत्पीड़न वह मुद्दा है जिसे लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल केंद्र में भाजपा को घेर रहे हैं। इस मुद्दे पर गुढा की बर्खास्तगी कांग्रेस के उस मुद्दे को कमजोर भी करेगी

नहीं दे पा रहे हैं। राजेंद्र गुढा ने कहा कि अब शायद पार्टी से भी निकाल दें। निलंबन होने के बाद जनता के पास जाने के अलावा उनके पास कोई रास्ता नहीं है। गुढा ने कहा कि उन्होंने अध्यक्ष के साथ कोई बदसलूकी नहीं की। अध्यक्ष के पास यह कहने गया था कि मंत्री के तौर पर जो कुर्सी थी वह बर्खास्त होने के बाद उनकी रही नहीं। ऐसे में वो कहां बैठकर अपनी बात कहेंगे, लेकिन अध्यक्ष ने उनकी बात नहीं सुनी। स्पीकर भी पता नहीं किसके दबाव में है।

निलंबन की कार्रवाई के बाद बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढा ने कहा कि राजस्थान

विधानसभा में जनता ने उन्हें दो बार भेजा है। उसमें जो वोट पड़ता है वह फेस पर दिया जाता है, विश्वास पर दिया जाता है। जनता ने इसी फेस पर भरोसा किया था कि हम विधानसभा जाकर बहन-बेटियों के लिए कुछ कर पाएंगे। आज प्रदेश की स्थिति यह है कि प्रदेश दुष्कर्म और महिला हत्या के मामले में हिंदुस्तान में नंबर 1 हो गया है। हम किस मुह से बहन-बेटियों को जाकर यह कहेंगे कि आपने जिस कारण से हमें विधानसभा में चुनकर भेजा वह हम नहीं कर सके। मैंने वह बोलने का प्रयास किया था, लेकिन मुझे बर्खास्त कर दिया गया।

बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढा ने इससे भी आगे बढ़कर राजस्थान के मंत्रिमंडल पर ही आरोप लगा दिया और दावा किया कि सरकार के मंत्रियों का नारको टेस्ट करवाया जाए और उनसे दुष्कर्म के संबंध में सवाल पूछा जाए तो जो लोग जेलों में बंद हैं, यह मंत्री उससे भी बड़े क्रिमिनल निकलेंगे। उन्होंने कहा कि मंत्री परिषद के सारे सदस्यों का नारको टेस्ट करवाएं तो पता चले कि कैसे लोगों को जनता जितकर विधानसभा में भेज रही है। महिला दुष्कर्म के मामले में आधे से ज्यादा मंत्री पीएचडी होल्डर मिलेंगे।

कांग्रेस के नेताओं की ओर से भी कहा जा रहा है कि जो राजेंद्र गुढा डायरी लेकर आए वह फर्जी थी। इस पर राजेंद्र गुढा ने कहा कि इस डायरी को लेने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2020 में मुझे मंत्रिमंडल की मीटिंग से यह कहते हुए भेजा था कि किसी भी कंडीशन में लाल डायरी को निकालकर लाओ। डायरी के संबंध में कुछ चीजें विधानसभा में रखना चाहता था, ताकि प्रदेश की जनता के सामने यह बात पहुंच सके, लेकिन एक साथ 20-



विधानसभा के बाहर भाजपा विधायकों ने बड़ी लाल डायरी रखी। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और विधायक जोगेश्वर गर्ग मौजूद थे।

राजेंद्र गुढा और मदन दिलावर विधानसभा की शेष कार्यवाही के लिए निलंबित धारीवाल का माइक खींचने पर गुढा से कांग्रेस विधायकों ने मारपीट की

धारीवाल का माइक खींचने पर गुढा से कांग्रेस विधायकों ने मारपीट की

-विधानसभा संवाददाता-
जयपुर। विधानसभा से बर्खास्त हुए मंत्री राजेंद्र गुढा को सोमवार को सदन में लाल डायरी लहराने, ऑरिजन-प्रत्यारोप करने, स्पीकर से बदसलूकी करने और मंत्री शांति धारीवाल पर हमला करने की नीयत के चलते 15वीं विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। गुढा के साथ ही भाजपा विधायक मदन दिलावर को भी निलंबित किया गया है। वहीं विधानसभा की कार्यवाही भाजपा के विरोध के चलते तीन बार स्थगित करनी पड़ी।

संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने यह प्रस्ताव रखते हुए कहा कि राजेंद्र गुढा मुझे मारने के उद्देश्य से मेरी ओर बढ़े। गुढा को अन्य कांग्रेस विधायकों ने रोका, अन्यथा कोई बड़ी घटना हो सकती थी। धारीवाल ने भाजपा विधायक मदन दिलावर के लिए भी कुछ इसी तरह के आरोप लगाए और उन्हें भी विधानसभा की शेष बची कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। आज जिस तरह से सदन में हंगामा हुआ, उसके चलते बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढा पर यह अनुशासनहीनता के चलते कार्रवाई हुई है। आगामी दो अगस्त को राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होगी, लेकिन उसमें गुढा और दिलावर शामिल नहीं हो पाएंगे।

दरअसल विधानसभा में शून्यकाल में सोमवार को लाल डायरी पर माहौल गर्मा गया। सदन में एक ओर भाजपा विधायकों ने लाल डायरी लहराई और नारेबाजी करने लगे। वहीं दूसरी ओर गुढा अचानक से वेल के

- भारी हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही को तीन बार स्थगित करना पड़ा
- मारपीट को देखते हुए अध्यक्ष ने गुढा को मार्शल के जरिये विधानसभा से बाहर करवाया
- बाद में जब मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, तो भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया

सहित अन्य कांग्रेसी विधायकों ने गुढा को पकड़कर मारपीट शुरू कर दी। मदन दिलावर, गुढा को बचाने वहां पहुंचे। इसके बाद स्पीकर ने मार्शल को उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दे डाला और सदन की कार्यवाही को दो बजे तक के लिये स्थगित कर दिया। इसके बाद फिर से दो बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई, तो

मणिपुर की घटना को लेकर संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने शासकीय संकल्प पढ़ना शुरू किया, लेकिन भाजपा विधायकों ने हंगामा जोर रखा। इस दौरान भाजपा विधायक मदन दिलावर, मंत्री शांति धारीवाल की कुर्सी पर पहुंच गए और उन्होंने धारीवाल को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान नाराज सीपी जोशी ने मार्शल को निर्देश दिए कि भाजपा विधायक मदन दिलावर को सदन से बाहर निकाल दिया जाए, लेकिन भाजपा विधायकों ने मदन दिलावर को अपने घेरे में ले लिया और उन्हें बाहर नहीं निकाला जा सका। इसी दौरान भारी हंगामे के चलते सीपी जोशी

को विधानसभा आधे घंटे के लिए फिर स्थगित करनी पड़ी, लेकिन विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बावजूद भाजपा विधायकों ने हंगामा जोर रखा। इस दौरान भाजपा विधायक मदन दिलावर को घेरे में लेकर विधानसभा में ही बैठे रहे और सदन में नारेबाजी करते रहे।

विपक्ष के हंगामे के कारण 23 मिनट में अध्यक्ष ने 4-5 विधेयक पास करवाए, और विधायी कार्य करवाए। इसके बाद 3:23 तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित किया, इसके बाद 4 मिनट में केंद्र सरकार के लिए आग्रह संकल्प पारित किए। इसके बाद 3:27 पर सदन आधे घंटे स्थगित किया। शाम 3:57 पर हंगामे के बीच ही 7 मिनट में राजेंद्र गुढा और मदन दिलावर का निलंबन प्रस्ताव रखा। जिसे सत्ता पक्ष ने पास कर दिया।

राज्यभर में नर्सिंग के धरने प्रदर्शन जारी

जयपुर। राजस्थान नर्सिंग संयुक्त संघर्ष समिति के प्रतीय आह्वाहन पर वेतन विसंगति दूर करने, वर्तमान परिपेक्ष्य में केंडर रिज्यू करने, टेका तथा भर्ती पर रोक लगाने, नर्सिंग ट्यूटोर एनएएम पदनाम परिवर्तन करने, स्वच्छता निदेशालय की स्थापना सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सातवें दिन सभी जिला चिकित्सालयों में एनएएमएस चिकित्सालय के मुख्य द्वार पर धरना जारी रहा।

नाम परिवर्तन
मेरी पुत्री कोमल कायत के शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम राजेश कायत एवं राजेंद्र कुमार धानका अंकित है भविष्य में मेरी पुत्री को कोमल कायत पुत्री श्री राजेंद्र कुमार निवासी भाटेंड, दादिया, सांगानेर, जयपुर के नाम से जाना जाये।
I have changed my name from Devika Lalwani to Pooja Lalwani W/o Vinod Lalwani for all purpose. Resi.: 214, Katewa Nagar, Gurjar Ki Thadi, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur.

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक कराये।

कार्यालय ग्राम पंचायत आर्कोडिया
पंचायत समिति कोटखावा, जिला जयपुर (राज.)
क्रमांक-पा.प./आ/2023/57 दिनांक-24.7.23
आपत्ति आमंत्रण सूचना
ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि सामिल योजनागत भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग में प्राप्त राजस्व ग्राम खाजपुरा के सर्वे प्रपत्र व नक्शों 2.0 को आमजन के लिये प्रदर्शित किया जाकर आपत्ति आमंत्रित की जाती है। साथ ही उक्त सर्वे प्रपत्र एवं नक्शा ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रत्येक भूखण्ड के विवरण मय भूमि नक्शा सहित सर्वेजन हेतु अवलोकनार्थ भी उपलब्ध है। इन सर्वे प्रपत्र व नक्शों 2.0 में किसी प्रकार की आपत्ति (संशोधन हेतु) ग्राम पंचायत कार्यालय में 07 (सात) दिवस के भीतर प्रस्तुत करें।
आवादी भूमि की सीमा अथवा नक्शों में झूठे सर्वे प्रदर्शित प्रोटॉट की सीमा एवं नाम के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मित्रादय प्राप्त आसितियों पर विचार नहीं किया जायेगा।
(धनराम धाम) नाम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत आर्कोडिया, प.स.कोटखावा, जयपुर

नाम परिवर्तन
मैं चंद्रकाश खुट्टेता पुत्र गोपीनाथ खुट्टेता निवासी- 24, कल्याण कॉलोनी, सीधर हाउस, जयपुर। मैंने मेरे पैन कार्ड, आधार कार्ड में गलत जन्मतिथि (31.05.1970) के स्थान पर सही जन्म तिथि (31.05.1971) रख ली है। मेरी दसवीं कक्षा की मार्कशीट में मेरी जन्मतिथि सही है।
मैं आदित्य सिंह पुत्र आर्मी नंबर- 15142826W हवलदार रविकांत सिंह युनिट 199 मीडियम रेजिमेंट में पिता के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम आदित्य है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम आदित्य सिंह है।
मैं अनामिका सिंह पुत्री आर्मी नंबर- 15142826W हवलदार रविकांत सिंह युनिट 199 मीडियम रेजिमेंट में पिता के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम अनामिका है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम अनामिका सिंह है।
मैं अनामिका सिंह पुत्री आर्मी नंबर- 15142826W हवलदार रविकांत सिंह युनिट 199 मीडियम रेजिमेंट में पिता के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम अनामिका है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम अनामिका सिंह है।
मैं अनामिका सिंह पुत्री आर्मी नंबर- 15142826W हवलदार रविकांत सिंह युनिट 199 मीडियम रेजिमेंट में पिता के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम अनामिका है जो गलत है। मेरा वास्तविक नाम अनामिका सिंह है।

आम सूचना
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजि. दूदू जिला जयपुर (राज.)
आम जनता किलां तन दांतीरी बनम जिला कलक्टर वाद घोषणात्मक स्थायी निषेधाज्ञा वाद संख्या 63/2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वादीगण ने इस न्यायालय में जरिये प्रतिनिधित्व वाद उनवानी आम जनता किलां बनम जिला कलक्टर व अन्य मुकदमा नम्बर 63/2023 बाबत घोषणात्मक व स्थायी निषेधाज्ञा पेश किया है। उक्त प्रकरण में जिस किसी भी व्यक्ति का हित निहित हो एवं सम्बन्ध रखता हो तो वह व्यक्ति दिनांक 25.7.2023 को न्यायालय हाजा में उपस्थित होकर अपना पक्ष पेश करें अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।
यह आज दिनांक 20 माह 07 से 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, दूदू जिला जयपुर

BANASTHALI VIDYAPITH
(Notified Under Section 3 of the UGC Act)
University for women: University with a difference

Engineering Skills Training Centre in Partnership with Bajaj Auto Ltd.

Banasthali Vidyapith, the world's largest fully residential university for women is NAAC 'A++', second highest ranked women's university in the world having more than 15000 students on its 850-acre campus situated amidst rural setting in Rajasthan, having a distinct educational ideology and offering a variety of programmes from nursery up to doctoral level across a wide spectrum of disciplines to prepare enlightened citizens with strong value-base.

Special Features
Automation
Robotics
AI
PLC
SCADA
CNC
MATLAB
LabVIEW
Industry 4.0
Manufacturing

PROGRAMMES
• Diploma Trainee Engineer
• Graduate Trainee Engineer

BENEFITS
• Placement in reputed companies after completion of programme
• Upto 80% scholarship
• For Women candidates only with hostel accommodation

APPLY NOW

FOR MORE INFO
+91 8306002465
best@banasthali.in

NAAC A++ 3.63
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2023
QS UNIVERSITY RANKINGS ASIA
nirf All India Rank
INDIA TODAY 2nd Rank

Banasthali Vidyapith, Rajasthan- 304022 www.banasthali.org www.facebook.com/banasthali.org